Total Page No. : 3] [Roll No. .....

M.A. IVth Semester Examination, 2023–24

(समूह ख दर्शन)

संस्कृत

Paper : III

(साहित्य शास्त्र)

Time : 2 : 30 Hours] [Max. Marks : 80

नोट :- इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक से किन्हीं **चार-चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर-पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी।

खण्ड–अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **4×5=20**

1. साहित्यशास्त्र परम्परा में आचार्य आनन्दवर्धन के ध्वनि सिद्धान्त पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

2. पण्डितराज जगन्नाथ के काव्यलक्षण–

''रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्''

को समझाइए।

3. रसगंगाधर कार आचार्य जगन्नाथ के काव्य कारण को निरूपित कीजिए।

4. काव्य एवं काव्यशास्त्र में अन्तर स्पष्ट करते हुए षड् सम्प्रदायों के नाम लिखिए।

5. ध्वन्यालोककार आचार्य आनन्दवर्धन के ध्वनिकाव्य को लक्षण सहित समझाइए।

6. इस निरूपण प्रसङ्ग में रसगंगाधकार द्वारा वर्णित 'नव्यमत' पर प्रकाश डालिए।

7. साहित्यशास्त्रानुसार रस एवं उनके स्थायीभाव को लिखिए।

8. रसगंगाधरकार के अनुसार काव्य के गुणों को समझाइए।

खण्ड–ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) **4×15=60**

9. निम्न श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए–

स्वेच्छाके सरिणः स्वच्छस्वच्छायायासितेन्दभः।

त्रायन्ता वो मधुरिपोः प्रपन्नार्तिच्छिदो नखाः॥

10. रसगंगाधरकार कार जगन्नाथ के अनुसार काव्य भेदों को लक्षण सहित प्रतिपादित कीजिए।

11. प्रतीयमानं नुपरन्यदेव

वस्त्वस्ति वाणीषु महाकवीनाम्।

यत्तत्प्रसिद्धावयवातिरिक्तं

विभाति लावण्य मिवाङ्गनासु॥

ध्वन्यालोक की उपरोक्त कारिका को समझाइए।

12. रसगंगाधरकार में रसस्वरूप प्रकरण में आचार्य अभिनवगुप्त के सिद्धान्त को प्रतिपादित कीजिए।

13. आचार्य आनन्द वर्धम के जीवन वृत्त पर विस्तृत प्रकाश डालिए।

14. निम्नलिखित कारिका की व्याख्या कीजिए–

काव्यस्यात्माध्वनिरितिबुधैर्यः समान्मातपूर्व-

तस्याभवं जगदुरपरे भाक्तमाहुस्तमन्ये।

के चिद्वाचां स्थितमविषये तत्वमूचुस्तदीयं

तेन ब्रूमः सहृदयमनः प्रीतये तत्स्वरूपम्॥

15. रसगंगाधरकार में प्रतिपादित "काव्यदोष" पर विस्तृत विवेचन कीजिए।

16. आचार्य पण्डितराज जगन्नाथ के जीवन वृत्त एवं काव्यशास्त्री वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

****